सोया मनवा जगाले रे

सोया मनवा जगाले रे,
सोया मनवा जगाले रे,
जगा ले रे बीती रजनी,
सोया मनवा जगाले रे,
जगाले रे बीती रजनी,
हरि को ह्रदय बसा ले रे,
बसाले रे बीती रजनी,
सोया मनवा जगाले रे,
जगाले रे बीती रजनी.....

सारी दुनिया जाग गई और,
तू निद्रा में सोया,
हरि भजन का अवसर प्राणी यु ही तूने खोया,
जीवन करम कमाले रे,
कमाले रे बीती रजनी,
सोया मनवा जगाले रे,
जगाले रे बीती रजनी.....

पल पल जो भी निकला जाए,
फिर नहीं हाथ में आये,
जीवन का अनमोल खजाना,
जग में लुटता जाए,
कुछ तो पूंजी बचाले रे,
बचाले रे बीती रजनी,
सोया मनवा जगा ले रे,
जगाले रे बीती रजनी.....

ज्ञान का सूरज गगन में चमके,
दूर हुआ अँधियारा,
ओ झूठे सपनो के अंधे,
अब तक नहीं निहारा,
हरि ने किये उजाले रे,
उजाले रे बीती रजनी,
सोया मनवा जगाले रे,
जगाले रे बीती रजनी.....

सोया मनवा जगाले रे,
सोया मनवा जगाले रे,
जगा ले रे बीती रजनी,
सोया मनवा जगाले रे,
जगाले रे बीती रजनी,
हरि को ह्रदय बसा ले रे,

बसाले रे बीती रजनी,
सोया मनवा जगाले रे,
जगाले रे बीती रजनी,
ओ जगाले रे बीती रजनी,
ओ जगाले रे बीती रजनी.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31866/title/soya-manwa-jagale-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |